रोमानिया बॉर्डर पर फंसे धौलपुर के तीन छात्र

12 घंटे में 18 बार की यूक्रेन आर्मी ने की फायरिंग

धौलपुर, (निसं)। यूक्रेन-रूस विवाद के बाद भारतीय छात्रों के लिए हालत बद से बदतर होते जा रहे हैं। धौलपुर शहर की जिरोली कॉलोनी निवासी 22 वर्षीय मेडिकल छात्र हर्ष चौधरी, रीको आवासीय कॉलोनी धौलपुर निवासी कुलदीप शर्मा एवं शिवपाल सिंह गुर्जर निवासी धौलपुर यूक्रेन और रोमानिया के बॉर्डर पर फंसे हुए हैं।

उन्होंने भारतीय दूतावास से मदद की गुहार लगाई है। उधर युवक के परिजन धौलपुर में खासे परेशान हैं। बॉर्डर पर फंसे छात्रों ने बताया कि वह 4 साल से विनित्सा शहर में स्थित विनित्सा यूनिवर्सिटी से मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं। 24 फरवरी को हुए हमले के बाद वह और उसके भारतीय साथी रविवार सुबह बसों से लटककर और पैदल चलकर जैसे तैसे रोमानिया बॉर्डर पर पहुंचे।

यूक्रेन में फंसे धौलपुर के छात्रों के परिजन अपने लाड़लों के लिए चिंतित हैं।

- लगातार हो रही बर्फबारी, भारतीय दूतावास से मदद की गुहार लगाई

वहां मौजूद यूक्रेन आर्मी ने उन्हें रोमानिया में जाने से रोक दिया। रात्रि में मदद की गुहार लगाते हुए बताया कि पिछले 24 घंटे में यूक्रेन आर्मी ने उन्हें सड़क पर खड़ा रखा हुआ है। लगातार हो रही बर्फबारी की वजह से भारतीय छात्र ठंड में ठिठुरते हुए पूरी रात बिताने को मजबूर हुए हैं। भूख से बेहाल छात्रों को 25 घंटे बाद भी रोमानिया में जाने के लिए एंट्री नहीं मिली है। छात्रों का आरोप है कि जैसे ही रोमानिया में घुसने के लिए छात्र पहुंचते हैं तो यूक्रेन आर्मी हवाई फायरिंग कर उन्हें डरा देती है। रोमानिया बॉर्डर पर फंसे छात्रों ने बताया कि पिछले 24 घंटे में यूक्रेन आर्मी 18 बार हवाई फायरिंग कर चुकी है। जिससे छात्र दहशत में हैं।

भरतपुर संवाददाता के अनुसार :- नदबई के खेड़ी देवी सिंह निवासी गंगादाम के पुत्र नरेन्द्र सिंह यूक्रेन में ही फंसे हुए हैं। नरेन्द्र ने एक वीडियो के माध्यम से वहां के हालात लोगों तक पहुंचाते हुए अपने साथ-साथ जितने भी भारतीय मूल के विद्यार्थी वहां फंसे हैं, उनके भारत वापसी के लिए कहा।

जैसे ही यह वीडियो पूर्व मंत्री व पूर्व विधायक नदबई कृष्णेन्द्र कौर दीपा के संज्ञान में आया तो उन्होंने तुरन्त ही विदेश मंत्री, भारत सरकार एस. जयशंकर को पत्र लिखकर विधानसभा क्षेत्र नदबई के खेड़ी देवी सिंह निवासी नरेन्द्र पुत्र गंगादान के साथ-साथ भारतीय मूल के यूक्रेन में फंसे सभी विद्यार्थियों को सकुशल स्वदेश वापस लाने का निवेदन किया।

यूक्रेन से लौटे झुंझुनूं जिले के पांच स्टूडेंट

झुंझुनूं, (निसं)। रूस द्वारा लगातार यूक्रेन पर हमलों के बाद झुंझुनूं जिले के मेडिकल स्टूडेंट्स के परिवारजनों को उनकी चिंताएं लगातार सता रही है। इसी बीच मिशन गंगा अभियान के तहत झुंझुनूं के 5 स्टूडेंट सोमवार को झुंझुनूं लौटे। इस दौरान स्टूडेंट्स का जिले की सीमा पर समाजसेवी पवन आलडिया के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इनमें से चार स्टूडेंट्स सीधा झुंझुनूं पहुंचे तो एक स्टूडेंट उदयपुरवाटी पहुंचा।

स्टूडेंट्स ने बताया कि वहां का मंजर बडा भयानक है। उस मंजर को कभी नहीं भूल पाएंगे। वहां रह रह कर बम धमाकों की आवाज सुनाई दे रही थी। स्टूडेंट्स जान बचाने के लिए सायरन की आवाज के साथ बंकरों में छिप रहे है। स्टूडेंट्स ने कहा कि केंद्र सरकार के प्रयासों की वजह से ही उनकी सुरक्षित वतन वापसी हुई है। उन्होंने राज्य सरकार का भी आभार जताते हुए कहा कि उनको घर तक भेजने के लिए राज्य सरकार ने सुविधा मुहैया करवाई है।

स्टूडेंट्स ने बताया कि यूक्रेन के नागरिक अपनों की मदद ज्यादा कर रहे हैं। जो भारतीय छात्रों को खासा अखर रहा है। झुंझुनूं के चनाना के स्टूडेंट कुणाल ने बताया कि रोमानिया सीमा पर पहुंचने पर रोमानिया के लोगों द्वारा उनकी मदद की गई। उन्हें शेल्टर होम पहुंचाया गया। साथ ही भारतीय छात्रों को खाना भी मुहैया करवाया गया। स्टूडेंट्स ने बताया कि कीव शहर में लगातार बमबारी जारी है।

यूक्रेन से झुंझुनूं आने पर स्टूडेंटस का स्वागत करते समाजसेवी पवन आलडिया।

- स्टूडेंट ने बताया आंखों देखा मंजर, कहा - यूक्रेन के लोग नहीं कर रहे मदद
- रोमानिया के नागरिकों ने की छात्रों की दिल खोलकर मदद, झुंझुनूं में समाजसेवी पवन आलडिया ने किया स्वागत

स्टूडेंट एडवाइजरी के अनुसार रह रहे है। खाने पीने की समस्याओं का अभाव है। मगर जीवन बचाने की जद्दोजहद में स्टूडेंट्स को एक ही चिंता सता रही है कि कैसे भी करके उनकी वतन वापसी हो। झुंझुनूं शहर के जतिन ने बताया कि खार्किया और कीव शहर में लगातार बमबारी जारी है। भारतीय एंबेसी के पास इतना स्टाफ नहीं है कि वह स्टूडेंट्स की पूरी तरीके से मदद कर सके। लगातार स्टूडेंट्स के वीडियो सामने आ रहे हैं। जिनमें उनके साथ मारपीट सहित अन्य घटनाएं की जा रही है।

उन्होंने बताया कि यूक्रेन के लोगों की डिप्लोमेसी रही है कि वह अपने वालों को ज्यादा प्रायरिटी देते हैं और इसी के कारण वहां स्टूडेंट्स को ज्यादा समस्याओं का सामना करना पड रहा है। उन्होंने कहा कि रोमानिया बॉर्डर का माहौल अच्छा है। वहां लोग मदद कर रहे हैं। कुलदीप पिलानी ने बताया कि लगातार स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। वहां छात्रों को बडी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। हम भी बहुत से परेशानियों का सामना करते हुए रोमानिया बॉर्डर पहुंचे। उसके बाद उसके बाद वे सुरक्षित भारत पहुंचे। चिडावा के घनश्याम ने बताया कि रोमानिया बॉर्डर पर काफी भीड है। उन्हें 15 से 16 घंटे बॉर्डर तक पहुंचने में लग गए। स्थिति काफी गंभीर है। उदयपुरवाटी के विकास कटारिया का यूक्रेन से वतन वापसी लौटने पर परिजन व वार्ड के लोग माला पहना कर मिठाई खिला कर स्वागत किया। उदयपुरवाटी का विकास यूक्रेन में एमबीबीएस की पिछले 5 साल से पढ ई कर रहा था। विकास ने बताया कि यूक्रेन में भय खौफ का माहौल बना हुआ है। उन्होंने बताया कि रोमानिया बॉर्डर से 5 किलोमीटर पहले ही पैदल यात्रा कर के एयरपोर्ट पहुंचे।

हादसे को न्यौता दे रही पुलिया

उनियारा, (निसं.)। उनियारा कृषि उपज मंडी के पास टोंक सवाई माधोपुर रोड पर गलवा पुलिया वर्षों पुरानी बनी हुई है। इस पुलिया से हजारों की संख्या में भारी तथा हल्के वाहनों का आवागमन होता रहता है। लेकिन विभाग के द्वारा ध्यान नहीं देने के कारण इस पुलिया पर बने दोनों साइड पर बने हुए पिल्लर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं तथा इस रोड पर पुलिया के दोनों साइडों पर भी किसी प्रकार का कोई संकेतक बोर्ड भी लगा हुआ नहीं है।

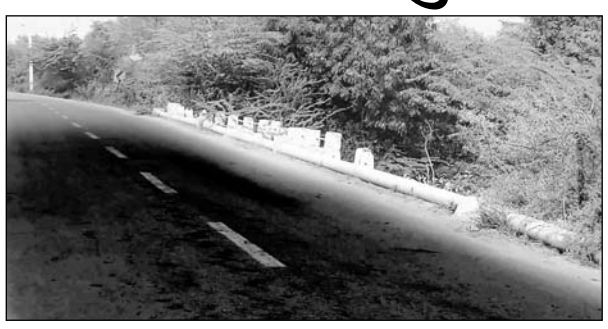

इस पुलिया पर किसी भी प्रकार का कोई संकेतक बोर्ड नहीं लगा है।

जिसके चलते पूर्व में भी इस पुलिया पर कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। लेकिन इतना होने के बाद भी विभाग तथा उच्चाधिकारी गंभीर नहीं हैं। शायद विभाग तथा उच्चाधिकारी भी दुर्घटनाओं का इंतजार कर रहा है। यदि समय रहते हुए विभाग तथा उच्चाधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया तो भारी जन धन होने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है।

स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने यूक्रेन में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही कोटा की बेटी हिमांशी सैनी से सोमवार को मोबाइल पर वार्ता कर वहां के हालातों के बारे में जानकारी ली।

ट्रांसफार्मर चोरी की वारदातों का खुलासा, तीन गिरफ्तार

डिग्गी थाना पुलिस ने ट्रांसफार्मर चोरी का खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया।

डिग्गी, (निसं)। डिग्गी थाना क्षेत्र में पिछले काफी दिनों से विद्युत टांसपार्मर चोरी की घटनायें लगातार होने के कारण उक्त वारदातों के मध्य नजर रखते हुए कार्यवाही की गई। डिग्गी थाना पुलिस ने मालपुरा सर्किल क्षेत्र में विद्युत ट्रांसफार्मर चोरी की दो दर्जन से अधिक चोरियों का खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के आदेशानुसार मालपुरा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार बैरवा व वृताधिकारी सुशील मान के नेत्तृत्व में डिग्गी थानाधिकारी सत्यनारायण चौधरी व पुलिस दल ने साइबर सेल टीम की सहायता से ट्रांसफार्मर चोरी की वारदात का पर्दाफाश कर दो संदिग्धों को दस्तयाब किया तथा सख्त पूछताछ के बाद आरोपियों ने दो दर्जन ट्रांसफार्मर तोड़कर तांबा चोरी करना स्वीकार किया। थानाधिकारी सत्यनारायण चौधरी ने बताया कि मामले में गणेशपुरा थाना लाबांहरिसिंह निवासी रामजी लाल पुत्र रूपा बावरी तथा कांकरीया की ढाणी थाना दूदू निवासी राजकुमार उर्फ पुत्र महेन्द्र मोग्या को गिरफ्तार कर उनसे माल खरीदने वाले गणेशपुरा तन सोडा निवासी किशन पुत्र बाघा बंजारा को गिरफ्तार किया गया। उन्होने बताया कि आरोपियो ने क्षेत्र के ट्रांसफार्मर चोरी की वारदात स्वीकार किया है। वही जिला पुलिस अधिक्षक के द्वारा पुलिस टीम को पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा भी की गई है।

'बोरिंग खराब होने के बाद सुध नहीं ले रहे अधिकारी'

अलवर, (निसं)। अलवर के वार्ड 25 से किशन कुंड व राजाजी का बास निवासी लोगों ने सोमवार दोपहर को मुख्य रोड पर आकर जाम लगा दिया। महिलाएं रोडवेज बस के सामने आकर खड़ी हो गई और बोलीं अब यहां से हटेंगे नहीं, चाहे जान चली जाए। पिछले कई दिनों से पानी की समस्या है। आमजन को पीने को पानी नहीं मिल पा रहा है, सब गरीब तबके के लोग हैं।

- लोगों ने जाम लगाकर प्रदर्शन किया

सरकार व प्रशासन सुध नहीं ले रहा है। वार्ड के पार्षद लोचन यादव ने बताया कि 15 दिन से बोरवेल खराब है।

जलदाय विभाग के अधिकारी सुध नहीं ले रहे हैं। पहले दो-तीन दिन में बोरवेल को ठीक करने का आश्वासन दिया। लोग परेशान होते रहे, पानी के लिए इधर-उधर भटकते रहे। इसके बावजूद भी सुध नहीं ली गई। अब कई दिन गुजरने के बाद आमजन सडकों पर आ गया। सबका कहना है कि पानी की समस्या का समाधान नहीं होने तक धरने रोड जाम किया जाएगा। हालांकि काफी देर तक पुलिस प्रशासन समझाइश की। काफी देर बाद जलदाय विभाग के अधिकारी मौके पर आए। पुलिस प्रशासन ने समझाइश की। इसके बाद जाम खोला गया।

ट्रांसफार्मर चोरी कर तांबा निकालने की अंतर्राज्यीय गैंग का खुलासा

करीब 100 से ज्यादा वारदातों को दिया अंजाम

अंर्तराज्यीय गैंग के ट्रांसफार्मर चोरी के दो आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

डूंगरपुर, (निसं)। जिल में ट्रांसफार्मर चोरी कर तांबा निकालने की अंर्तराज्यीय गैंग का खुलासा करते हुए पुलिस ने गैंग के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

जिले मे ट्रांसफार्मर चोरी की बढ़ती हुई वारदातों को देखते हुये सुधीर जोशी पुलिस अधीक्षक जिला डूंगरपुर के निर्देशन में अनिल मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं नरपत सिंह वृताधिकारी सागवाडा के निकट सपुरविजन में डीएसटी प्रभारी दिलीपदान चारण थानाधिकारी सुरेन्द्र सोलंकी एवं अनिल देवल थानाधिकारी ओबरी के नेतृत्व मे गोविन्द सिंह थानाधिकारी चितरी, कमलेश चौधरी थानाधिकारी दोवडा, नवीन हैड कानि जिला विशेष टीम, प्रहलाद कानि थाना वरदा, पुष्पेन्द्र कानि थाना दोवडा, गोविन्द सिंह कानि थाना ओबरी एवं साइबर सेल से राहुल, हेमेन्द्र सिंह कानि, अभिषेक एवं जोगेन्द्र सिंह की टीम का गठन कर प्रकरण मे अज्ञात मुल्जिम की पतेरसी की गई टीम द्वारा अज्ञात मुल्जिम की सरगर्मी से तलाश शुरू की एवं तकनीकी तंत्र एवं मुखबीर तंत्र जानकारी मिली कि श्रवण पुत्र रूमाल कनिपा निवासी सेमलघाटी तथा बलवन्त पुत्र भुरा कनिपा निवासी ओबरी पुलिस थाना अपने साथियो के साथ घुम रहा है जिस पर पुलिस ने उन्हे गिरफ्तार कर लिये आरोपियो से ओर पूछताछ की जा रही है। जिससे जिले के अन्य क्षेत्रो मे हुई डीपी चोरी व अन्य चोरियो के मामले का खुलासा हो सकता है, पुलिस ने शेष अभियुक्तों की तलाश प्रारंभ कर दी।

- गैंग के 2 सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

टैंक में गिरे 3 वर्षीय मासूम की मौत

डिग्गी, (निसं)। डिग्गी थाना क्षेत्र के चादंसेन गांव में रविवार शाम को खेलते समय टैंक में गिरने से तीन वर्षीय मासूम की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार तीन वर्षीय राजू पुत्र उर्प मुरली पुत्र हेमराज सैनी निवासी चादंसेन शाम को 6 बजे अपने ही घर में खेल रहा था। खेलते खेलते राजू अपने घर में बने टैंक में अचानक जा गिरा। लगभग एक घंटे बाद जब परिजनों ने राजू को ढूंढना शुरू किया तब तक काफी देर हो चुकी थी।

राजू को टैंक से निकालकर परिजन तत्काल मालपुरा सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने मृत घाषित कर दिया। मासूम राजू के एक बहन भी है। वहीं डिग्गी थानाधिकारी सत्यनारायण चौधरी ने बताया कि परिजनों की ओर से किसी भी प्रकार का वाद दायर नहीं हुआ है। वही पुलिस को सूचना लगने से पहले परिजन बच्चे को दफना कर आ चुके थे।

रिश्वत लेते ग्राम सेवक को पकड़ा, दलाल की जांच जारी

जालोर, (कासं)। जालोर एसीबी टीम ने कार्रवाई करते हुए जालोर जिले के सायला पंचायत के ग्राम सेवक को करीब डेढ़ लाख रिश्वत लेने के आरोप में सोमवार को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। साथ ही दलाल फरार है, जो सरपंच का रिश्तेदार बताया जा रहा है।

जालोर एसीबी के एएसपी महावीर सिंह राणावत ने बताया कि ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर जालोर इकाई द्वारा सोमवार को सायला, जालोर में कार्रवाई करते हुये सायला पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी पूराराम मेघवाल को परिवादी से 1 लाख 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ए.सी.बी. की जालोर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि भवन निर्माण का विवाद दूर करके एन.ओ.सी. जारी करने की एवज में पूराराम ग्राम विकास अधिकारी द्वारा उसके दलाल विक्रम सिंह राजपूत सरपंच का रिश्तेदार (प्राइवेट व्यक्ति) के माध्यम से 2 लाख 40 हजार रुपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महावीर सिंह राणावत के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया गया। उसके बाद सोमवार को पुलिस निरीक्षक राजेन्द्र सिंह एवं उनकी टीम के साथ ट्रेप कार्यवाही करते हुये पूराराम निवासी हरजीयाना, तहसील सिवाणा, जिला बाड़मेर को परिवादी से 1 लाख 50 हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। आरोपी दलाल विक्रम सिंह राजपूत ए.सी.बी. कार्यवाही की भनक लगने पर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

बंदियों को मोबाइल व तंबाकू देने के आरोप में दो प्रहरी गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर की सेवर सेण्ट्रल जेल में बंद कैदियों को मोबाइल, तम्बाकू तथा इर्यरफोन लीड पहुंचने की फिराक में पकड़े गए दो जेल प्रहरियों को थाना सेवर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

गौरतलब है कि आरोपी जेल प्रहरी नरपत सिंह व मुस्ताक को बीते दिन जेल के अंदर ड्यूटी पर प्रवेश करते समय तलाशी के दौरान केंद्रीय कारागृह भरतपुर की सुरक्षा में लगे आर.ए.सी 127 जी कम्पनी 13 बी बटालीयन के हैड कांस्टेबल जगदीश सिंह ने रंगे हाथो पकड़ा था। सेवर जेल के हेड कांस्टेबल ने बताया की देर रात करीब 2 बजे ड्यूटी बदलने के दौरान जेल में जाने के लिए 9 प्रहरी गेट पर पहुंचे। गेट पर हेड कांस्टेबल तैनात थे।

उन्होंने सभी की बारी-बारी से तलाशी ली, उस समय दो प्रहरी नरपत और मुस्ताक की जब तलाशी ली गई तो उन्हें शक हुआ की उन्हें जूते के सोल में कुछ छुपा हुआ है। जिसके बाद उन्होंने दोनों के जूते निकलवाए और जूते का पैतावा हटा कर देखा तो नरपत के दोनों जूतों में एक मोबाइल की लीड, एक कीपेड का मोबाइल, 6 तम्बाकू के पाउच मिले और मुस्ताक के दोनों जूतों में गुटखे के पाउच मिले। जिसके बाद उन्होंने इसकी सूचना तुरंत अपने अधिकारियों को दी।

नई फसल की आहट से गिरे लहसुन के दाम, सड़क पर फेंकने को मजबूर किसान

अब लहसुन के दाम दो से पांच रुपए प्रति किलो हो रहे हैं

कोटा, (निसं)। नई लहसुन की आहट ने किसानों में बैचेनी बढ़ा दी है। दरअसल लहसुन उत्पादक किसानों ने पिछले वर्ष अच्छे दामों की आस में लहसुन का स्टॉक किया था। अब नया लहसुन मंडियों में आने वाला है और लहसुन की कीमतें गिरी हुई हैं। ऐसे में किसानों को पुराने लहसुन की चिंता सताने लगी है।

सांगोद क्षेत्र में दिल्लीपुरा गांव के सुरेश किराड़ ने दाम नहीं मिलने के कारण तीन ट्रॉली लहसुन सड़क पर फेंक दिया। पूर्व उपसरपंच सुरेश किराड़ ने बताया कि अच्छे दामों की आस में साल भर से स्टॉक किया था। अब लहसुन के दाम दो से पांच रुपए प्रति किलो हो रहे हैं। जबकि लहसुन की कटाई का खर्च ही इससे ज्यादा बैठता है। इसके बाद मंडी में ले जाने का खर्च भी जेब से देना पड़ता। ऐसे में पुराने लहसुन को फेंकना ही ठीक लगा। दिल्लीपुरा ग्राम सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष गिरिराज मेहता ने बताया कि क्षेत्र में अधिकांश किसान लहसुन को सड़क पर फेंकने को मजबूर होंगे। इस बार तो क्षेत्र में लहसुन की बुआई भी ज्यादा है। जो महीने भर बाद मंडियों में आने लगेगा।

गिरिराज मेहता ने कहा कि 15 बीघा में से 5 बीघा लहसुन पिछले वर्ष बेचा था। अभी 10 बीघा का रखा है। जिसे नए लहसुन के लिए जगह बनाने के लिए फेंकना पड़ेगा। सरकार की दोषपूर्ण आयात निर्यात नीति का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। मंडी में लहसुन कलियों का तो कोई खरीदार ही नहीं है। उसे तो फेंक कर ही आना पड़ता है। गांव के भंवरलाल और नंदलाल की भी कमोबेश यही स्थिति है। नंदलाल लहसुन बेचकर मकान बनाना चाहता था, लेकिन वह इस बार भी मकान नहीं बना पाएगा।

भंवरलाल मेघवाल ने बताया कि दो बीघा जमीन मुनाफे पर लेकर लहसुन की खेती की थी। जिस पर 80 हजार का खर्च आया था। लेकिन लहसुन केवल 15 हजार का हुआ है। अब मजदूरी करके भरपाई करनी होगी। नंदलाल ने भी 10 बीघे में लहसुन की बुआई की थी। अच्छे दाम की आस में स्टॉक किया था। अब 4 लाख खर्च करके केवल एक लाख का लहसुन बेच पाए। महेंद्र ने बताया कि लहसुन में अब लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा। भारतीय किसान संघ के प्रांत प्रवक्ता आशीष मेहता ने बताया कि लहसुन की खेती अधिकतर मुनाफा काश्त पर हो रही है। खुद की जमीन पर लहसुन की बुआई पर 15 हजार तो मुनाफे पर 25 हजार रुपए प्रति बीघा का खर्च आता है। जिसमें भी बिजली, डीजल, बीज, मजदूरी समेत अन्य खर्च अलग हैं। मुनाफा काश्त करने वाले किसान सबसे अधिक प्रभावित हो रहे। पिछले वर्ष लहसुन के दाम 5 हजार से 10 हजार रुपए तक पहुंच गए थे। ऐसे में किसानों को अच्छे दाम मिलने की आस थी।

- किसान गिरिराज मेहता ने बताया कि 15 बीघा में से 5 बीघा लहसुन पिछले वर्ष बेचा था, अभी 10 बीघा का रखा है, जिसे नए लहसुन के लिए जगह बनाने के लिए फेंकना पड़ेगा

लेकिन दिवाली के बाद से लगातार दाम गिरते चले गए। ऐसे में कटाई सफाई का खर्च भी नहीं निकल रहा तो लहसुन को फेंकने को मजबूर होना पड रहा है। आशीष मेहता ने बताया कि सरकार को लहसुन का पर्याप्त निर्यात करना चाहिए। वहीं चीन के लहसुन पर रोक के बावजूद चोरी छिपे लहसुन आने के समाचार देशभर से मिलते रहे हैं। जिस पर प्रभावी रोक लगनी चाहिए। आशीष मेहता ने कहा कि कुछ वर्ष पूर्व भी इसी तरह की स्थिति के कारण 6 किसानों की सदमें से मौत हो गई थी। अभी नया लहसुन आने में तकरीबन एक महीना है। सरकार को सरकारी खरीद की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। लहसुन की खरीद पर समग्र खर्च जोड़कर लाभकारी मूल्य मिलना चाहिए।